हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे बिके हुए पूर्व विधायक : सीएम सुक्खू -पढ़ें पेज 2

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 02 कांगड़ा। शनिवार, 11 मई-17 मई, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 30 वैशाख, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

ऊँ ह्रीं बगलामुखी देव्यै ह्रीं ऊँ नमः

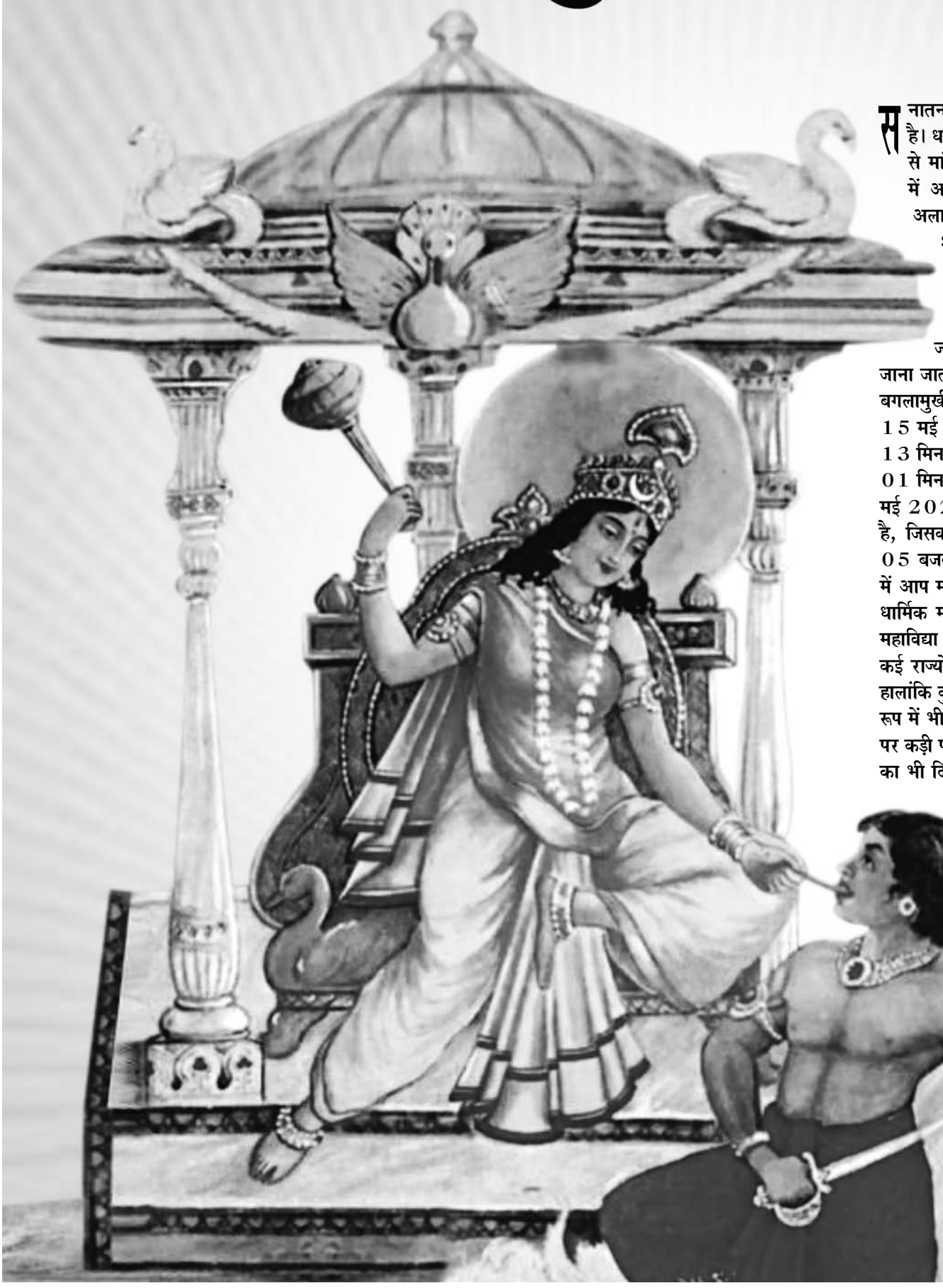

सनातन धर्म में देवी बगलामुखी की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त सच्चे मन से मां बगलामुखी की आराधना करता है, उसके जीवन में आ रही सभी परेशानियां देवी हर लेती हैं। इसके अलावा देवी की पूजा खासतौर पर कोर्ट–कचहरी और शत्रुओं से छुटकारा पाने के लिए की जाती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन बगलामुखी जयंती मनाई जाती है। बगलामुखी जयंती को मां बगलामुखी प्रकटोत्सव के नाम से भी जाना जाता है।

बगलामुखी जयंती के दिन देवी की पूजा के दो शुभ मुहूर्त हैं। 15 मई को ब्रह्म मुहूर्त का आरंभ प्रातः काल 04 बजकर 13 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन सुबह 05 बजकर 01 मिनट पर होगा। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग का आरंभ 14 मई 2024 को दोपहर 01 बजकर 05 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन अगले दिन 15 मई को प्रातः काल 05 बजकर 49 मिनट पर होगा। इन दोनों ही शुभ मुहूर्त में आप मां बगलामुखी की उपासना कर सकते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां बगलामुखी की पूजा दस महाविद्या के रूप में भी की जाती है। इसी वजह से देश के कई राज्यों में इन्हें बुद्धि की देवी के नाम से जाना जाता है। हालांकि कुछ लोग मां बगलामुखी की पूजा पीताम्बरा देवी के रूप में भी करते हैं। मां बगलामुखी के नाम का अर्थ है, जीभ पर कड़ी पकड़ होना और एक ऐसा व्यक्ति जो कभी भी किसी का भी दिमाग कंट्रोल कर सके।

मां बगलामुखी को पीला रंग अति प्रिय है। बगलामुखी जयंती के दिन मां को पीले रंग के कपड़े, फूल या मिठाई अर्पित करना शुभ होता है।

■ पं. कुलदीप शास्त्री